दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 29 अप्रैल 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 207

गोली मार दो लेकिन निकालकर न फेंको, भारत छोड़कर नहीं जाना चाहते पाकिस्तानी; अब तक 627 सीमा पार

अमृतसर । आरएनएस

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने के निर्देश जारी किए जाने के बाद, बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक अटारी-वाघा सीमा के रास्ते अपने वतन वापस लौट गए हैं। पिछले पांच दिनों में कम से कम 627 पाकिस्तानी भारत छोडक़र जा चुके हैं, जिनमें 9 राजनयिक और अधिकारी भी शामिल हैं। भारत सरकार ने शॉर्ट टर्म वीजा की 12 श्रेणियों के धारकों को तत्काल पाकिस्तान लौटने का आदेश दिया था, जिसकी समय सीमा रविवार को समाप्त हो गई।

भारत छोड़ते समय कई पाकिस्तानियों को भावुक होते देखा गया। बालासोर जिले में चार साल की उम्र से रह रही 72 वर्षीय रजिया सुल्ताना ने दर्द भरी गुहार लगाते हुए कहा, अगर हमने कुछ गलत किया है तो गोली मार दो लेकिन देश से निकालकर ना फेंको। किडनी की समस्या से जूझ रहीं रजिया सुल्ताना को भी देश छोड़ने का नोटिस मिला है और 10 मई को भुवनेश्वर में उनका मेडिकल अपॉइंटमेंट है। उनके परिवार ने सरकार से उन्हें राहत देने की अपील की है।

गुजरावालां के सोनी मसीह से शादी करने वाली मारिया को भी भारत छोड़ने का आदेश मिला है। पिछले साल ही उनकी शादी हुई है और मारिया गर्भवती हैं। उन्हें अब तक लॉन्ग टर्म वीजा नहीं मिला था। मारिया ने कहा कि वह किसी भी कीमत पर अपने पति को छोड़ना नहीं चाहतीं।

पाकिस्तान से भी 756 लोग अटारी-वाघा सीमा के रास्ते भारत वापस आए हैं, जिनमें 14 राजनयिक और अधिकारी शामिल हैं। पहलगाम में आतंकी हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए 'भारत छोड़ो' नोटिस जारी किया था, जिसके बाद अटारी-वाघा सीमा से पाकिस्तान लौटने वालों की संख्या काफी बढ़ गई। रविवार को भी कम से कम 237 लोगों ने सीमा पार की, जिनमें 115 पाकिस्तान से भारत वापस आने वाले थे।

गुरुवार को 115 भारतीयों ने पाकिस्तान छोड़ा था, जबकि 28 पाकिस्तानी अपने देश लौटे थे। 25 अप्रैल को 287 पाकिस्तानी और 191 भारतीय अपने घरों को वापस गए। शनिवार को 75 पाकिस्तानियों ने सीमा पार की। सार्क वीजा पर भारत में रह रहे लोगों को वापस जाने के लिए 26 अप्रैल तक का समय दिया गया था, जबकि मेडिकल वीजा धारकों को 29 अप्रैल तक का समय मिला।

रविवार को वीजा ऑन अराइवल, बिजनेस, फिल्म, जर्नलिस्ट, ट्रांजिट, कॉन्फ्रेंस, माउंटेनियरिंग, स्टूडेंट, विजिटर, ग्रुप टूरिस्ट और तीर्थयात्री श्रेणी के वीजा धारकों के लिए भी देश छोड़ने की समय सीमा खत्म हो गई। पाकिस्तानी उच्चायोग में सेना, नौसेना और वायुसेना सलाहकारों को देश छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है।

अपनों की गद्दारी से हुआ पहलगाम हमला!, 15 कश्मीरी ओवरग्राउंड वर्कर संदिग्ध, आतंकियों की मदद का शक

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के जरिये 15 स्थानीय कश्मीरी ओवरग्राउंड वर्कर्स की पहचान हुई है, जिनपर पाकिस्तानी आतंकियों की मदद करने का शक है। इन पर संसाधन जुटाने, हथियार मंगवाने और जंगलों में आतंकियों का मार्गदर्शन करने का आरोप है। सूत्रों के मुताबिक, पांच मुख्य संदिग्धों पर फोकस किया गया है, जिनमें से तीन को पकड़ लिया गया है और उनकी गिरफ्तारी की तैयारी चल रही है। हमले के वक्त सभी पांच संदिग्ध इलाके में मौजूद थे और उनके फोन की लोकेशन भी सामने आई है। हिरासत में लिए गए तीनों आरोपियों के बीच की एक चैट भी बरामद हुई है, जिसमें हमले में उनकी भूमिका का जिक्र है। एनआईए, जम्मू-कश्मीर पुलिस, इंटेलिजेंस ब्यूरो और रॉ की संयुक्त टीम 10 अन्य से पूछताछ कर रही है। 200 से ज्यादा ओवरग्राउंड वर्कर्स को हिरासत में लेकर पूछताछ हो चुकी है। इनमें 20-25 ऐसे ह्रत्रङ्ख हैं जो पाकिस्तान के आतंकियों के संपर्क में रहने और उन्हें शरण देने के लिए पहले से कुख्यात हैं। 15 संदिग्ध ह्रत्रङ्ख दक्षिण कश्मीर के रहने वाले हैं और पहले भी कई आतंकी घटनाओं में पाकिस्तानी आतंकियों की मदद कर चुके हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि 4-5 आतंकियों की टीम ने हमला किया था, जिसमें दो पाकिस्तानी और दो स्थानीय कश्मीरी शामिल थे। फिलहाल सुरक्षाबलों ने बैसरन घाटी के जंगलों में आतंकियों की तलाश तेज कर दी है। माना जा रहा है कि हमलावर अभी भी घने जंगलों में छिपे हो सकते हैं। पूरे इलाके में तलाशी अभियान लगातार जारी है।

अंतर्राष्ट्रीय

पाकिस्तान की अब खैर नहीं, भारत ने फ्रांस के साथ की 26 राफेल मरीन की डील

इस्लामाबाद। हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच, भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को और मजबूत करते हुए एक बड़ा कदम उठाया है। भारत ने आज फ्रांस के साथ भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल-एम (मरीन) लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए लगभग 63,000 करोड़ रुपये के मेगा सौदे पर हस्ताक्षर किए। इस सौदे को पाकिस्तान के लिए एक बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। यह डील ऐसे समय में हुई है जब पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। इस हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी और भारत ने इसके लिए सीधे तौर पर पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया है। भारत सरकार पहले ही पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े कदम उठा चुकी है, जिसमें अटारी सीमा पर व्यापार बंद करना भी शामिल है। इस सौदे के तहत भारतीय नौसेना को 22 सिंगल-सीटर और 4 ट्विन-सीटर राफेल-एम जेट्स मिलेंगे। ये विमान भारतीय नौसेना के विमानवाहक पोतों, विशेष रूप से आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य पर तैनात किए जाएंगे। राफेल-एम जेट्स नौसेना के मौजूदा मिग-29के बेड़े का स्थान लेंगे और समुद्र में भारत की मारक क्षमता में वृद्धि करेंगे। राफेल-एम जेट्स अपनी उन्नत तकनीक, बहुमुखी प्रतिभा और युद्ध क्षमताओं के लिए जाने जाते हैं। ये विमान दुश्मन के ठिकानों को सटीकता से निशाना बनाने, हवाई श्रेष्ठता हासिल करने और समुद्री निगरानी में अत्यंत प्रभावी हैं। इन जेट्स के भारतीय नौसेना में शामिल होने से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सामरिक स्थिति और मजबूत होगी।

भारत से तनाव के बीच चीन के पैरों में गिरा पाकिस्तान, मांग रहा 10 अरब युआन का कर्ज

इस्लामाबाद । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के संबंधों में आए भारी तनाव के बीच, पाकिस्तान एक बार फिर आर्थिक मदद के लिए अपने करीबी दोस्त चीन की ओर देख रहा है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने चीन से 10 अरब युआन (लगभग 1.4 अरब डॉलर) का अतिरिक्त कर्ज मांगा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट में पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब के हवाले से बताया गया है कि पाकिस्तान ने चीन से अपनी मौजूदा 'स्वैप लाइन' (दो देशों के केंद्रीय बैंकों के बीच मुद्रा अदला-बदली का समझौता) को 10 अरब युआन तक बढ़ाने का अनुरोध किया है। वित्त मंत्री औरंगजेब ने अमेरिका के वाशिंगटन में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (ढ्ढढरूस्न) और विश्व बैंक की बैठकों के दौरान रॉयटर्स को दिए एक साक्षात्कार में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के पास पहले से ही चीन के साथ 30 अरब युआन की स्वैप लाइन है। पाकिस्तान ने उम्मीद जताई है कि वह इस साल के अंत से पहले 'पांडा बॉन्ड' (चीन के घरेलू बाजार में गैर-चीनी संस्थाओं द्वारा जारी किए गए बॉन्ड) भी लॉन्च करेगा। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने चीन से अतिरिक्त वित्तीय सहायता मांगी है। इससे पहले अक्टूबर 2024 में भी पाकिस्तान ने चीन से 10 अरब युआन के अतिरिक्त कर्ज का अनुरोध किया था। नकदी की भारी किल्लत का सामना कर रहा पाकिस्तान पहले ही चीन से मिली 30 अरब युआन (करीब 4.3 अरब डॉलर) की मौजूदा व्यापार सुविधा का उपयोग कर चुका है।

26/11 हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को एनआईए ने कोर्ट में किया गया पेश, हिरासत 12 दिन के लिए बढ़ी

नई दिल्ली । आरएनएस

पटियाला हाउस कोर्ट ने 26/11 मुंबई हमलों के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा की हिरासत 12 दिनों के लिए बढ़ा दी है। एनआईए की अर्जी पर सोमवार को कोर्ट ने फैसला सुनाया। राणा को उसकी 18 दिन की एनआईए हिरासत की समाप्ति पर कड़ी सुरक्षा के बीच विशेष एनआईए न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह के समक्ष पेश किया गया।

वरिष्ठ वकील दयान कृष्णन और विशेष सरकारी अभियोजक नरेन्द्र मान द्वारा चैम्बर कार्यवाही में राष्ट्रीय जांच एजेंसी का प्रतिनिधित्व किया। वहीं दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिवक्ता पीयूष सचदेवा तहव्वुर राणा का पक्ष रखा। 26/11 मुंबई हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में तहव्वुर हुसैन राणा अहम नाम है। उसे मुंबई हमले के मास्टरमाइंड डेविड कोलमैन हेडली का करीबी माना जाता है। हेडली और राणा स्कूल के समय से दोस्त थे। हेडली ने बाद में स्वीकार किया था कि वह लश्कर-ए-तैयबा और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम कर रहा था। इस आतंकी हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। पाकिस्तान में ट्रेनिंग लेकर आए 10 आतंकियों ने आधुनिक हथियारों से लैस होकर मुंबई में भीड़भाड़ वाली जगहों को निशाना बनाया था। इस दौरान 160 से अधिक लोग मारे गए थे और 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

मुंबई आतंकी हमलों के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था। राणा को लेकर दिल्ली पहुंची राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष टीम में तीन अधिकारियों का सबसे अहम रोल रहा। जिन अधिकारियों ने राणा को अमेरिका से भारत लाने में अहम भूमिका निभाई है, उसमें 1997 बैच के झारखंड कैडर के आईपीएस आशीष बत्रा, छत्तीसगढ़ कैडर के आईपीएस अधिकारी प्रभात कुमार के अलावा झारखंड कैडर की महिला आईपीएस जया रॉय शामिल हैं।

पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस का एक्शन, डोडा में 13 जगहों पर छापेमारी; श्रीनगर में 63 ठिकानों की तलाशी

डोडा/श्रीनगर । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियां पूरे प्रदेश में एक्शन मोड में हैं। इसी कड़ी में सोमवार सुबह जम्मू-कश्मीर पुलिस ने डोडा जिले के 13 विभिन्न स्थानों पर आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने और आतंकी नेटवर्क से जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ बड़ी छापेमारी अभियान चलाया।

डोडा में यह कार्रवाई पहलगाम हमले में 26 लोगों की मौत और कई के घायल होने के बाद बढ़ी सुरक्षा चिंताओं के बीच की गई। पुलिस का मकसद आतंकवाद से जुड़े किसी भी साजिशकर्ता, ओवर ग्राउंड वर्कर या आतंकी सहयोगी तक पहुंचना है।

इसी बीच श्रीनगर पुलिस ने भी बड़ी कार्रवाई करते हुए पूरे शहर में 63 व्यक्तियों के आवासों पर एक साथ तलाशी ली। पुलिस ने यह तलाशी उचित कानूनी प्रक्रिया के तहत, कार्यकारी मजिस्ट्रेट और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में की। तलाशी के दौरान हथियार, संदिग्ध दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस जब्त किए गए। पुलिस का कहना है कि इस व्यापक तलाशी अभियान का उद्देश्य राष्ट्र विरोधी साजिशों और आतंकी गतिविधियों के खिलाफ साक्ष्य जुटाना और खुफिया जानकारी एकत्र करना है।

वहीं पहलगाम आतंकी हमले का सीधा असर जम्मू-कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर भी दिखाई दे रहा है। कटड़ा होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश वजीर ने बताया कि हमले के बाद कम से कम 35त्न बुकिंग रद्द हो गई हैं। यात्रा में शामिल होने वाले पर्यटकों की संख्या 45,000 से घटकर मात्र 20,000–22,000 रह गई है।

उन्होंने कहा कि बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के कारण बुकिंग निरंतर रद्द हो रही हैं, जिससे जम्मू-कटरा जैसे लोकप्रिय धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर भी व्यापक असर पड़ा है। 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन मैदान में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी गई थी, जिनमें एक नेपाली नागरिक भी शामिल था। इस घटना ने भारत-पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक तनाव को और बढ़ा दिया है और घाटी में सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

भारत के एक्शन का असर, पाकिस्तान में दवा से लेकर खाद की भारी किल्लत; 3800 करोड़ से ज्यादा का कारोबार ठप

नई दिल्ली । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए नृशंस आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग अटारी बॉर्डर को बंद कर दिया है। इस हमले में आतंकियों ने धर्म पूछकर 26 निर्दोष सैलानियों की गोली मारकर हत्या कर दी थी, जिसमें सीधे तौर पर पाकिस्तान का हाथ माना जा रहा है। भारत के इस फैसले से दोनों देशों के बीच होने वाला 3886.53 करोड़ रुपये का सीमा पार व्यापार तत्काल प्रभाव से रुक गया है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (त्रञ्जक्रढ्ढ) के एक अनुमान के मुताबिक, भले ही भारत और पाकिस्तान

के बीच सीधा व्यापार सीमित हो, लेकिन अप्रत्यक्ष तरीकों से हर साल भारत का लगभग 10 अरब डॉलर का सामान पाकिस्तान पहुंचता है। यह व्यापार मुख्य रूप से दुबई, सिंगापुर और कोलंबो जैसे तीसरे देशों के रास्ते होता है, जहां सामान के लेबल और दस्तावेज बदलकर उन्हें किसी और देश का बताकर पाकिस्तान भेजा जाता है।

पंजाब के अमृतसर स्थित अटारी बॉर्डर भारत और पाकिस्तान के बीच जमीनी रास्ते से व्यापार का प्रमुख केंद्र रहा है। भारत द्वारा इस बॉर्डर को बंद किए जाने के बाद पाकिस्तान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए भारत के साथ व्यापार रोक दिया है। गौरतलब है कि साल 2024 में भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय व्यापार 127 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि के साथ 1.2 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया था, जो 2023 में 0.53 बिलियन डॉलर था। हालांकि, यह आंकड़ा 2019 में पुलवामा आतंकी हमले से पहले के 3 बिलियन डॉलर के व्यापार स्तर से काफी कम है।

भारत पाकिस्तान को मुख्य रूप से फार्मास्यूटिकल्स (दवाएं और उनकी सामग्री), चीनी, चाय, कॉफी, कपास, लोहा, स्टील, टमाटर, नमक, ऑटोमोटिव कॉम्पोनेंट्स और उर्वरक जैसी वस्तुएं निर्यात करता रहा है। दूसरी ओर, पाकिस्तान से भारत में मसाले, खजूर, बादाम, अंजीर, बेसिल और रोजमेरी जैसी जड़ी-बूटियां आयात की जाती हैं।

दोनों देशों के बीच सीधा व्यापार बंद होने से पाकिस्तान को भारतीय सामानों के लिए तीसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ेगा। इससे सामानों की ढुलाई लागत में वृद्धि होगी, जिसका सीधा असर पाकिस्तान में इन वस्तुओं की कीमतों पर पड़ेगा और मूलभूत चीजें महंगी हो जाएंगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से पाकिस्तान का फार्मा सेक्टर विशेष रूप से प्रभावित हो सकता है। इसकी तुलना में, भारत पर इस व्यापार निलंबन का प्रभाव काफी कम होने की उम्मीद है।

पाकिस्तान पर भारत की 'डिजिटल स्ट्राइक', 16 बड़े पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर लगाया बैन

नई दिल्ली । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार पाकिस्तान के खिलाफ लगातार कड़े कदम उठा रही है। इसी कड़ी में मोदी सरकार ने अब एक और बड़ा फैसला लेते हुए पाकिस्तान स्थित 16 बड़े यूट्यूब चैनलों को प्रतिबंधित कर दिया है।

गृह मंत्रालय की सिफारिशों के आधार पर सरकार ने यह कार्रवाई की है। इन यूट्यूब चैनलों पर भारत, उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भडक़ाऊ, झूठे और भ्रामक बयान तथा गलत सूचनाएं प्रसारित करने का आरोप है।

सरकार का मानना है कि ये चैनल सुनियोजित तरीके से भारत में अस्थिरता फैलाने और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली सामग्री फैला रहे थे। इन चैनलों के कंटेट से देश में सांप्रदायिक सद्भाव बिगडऩे का भी खतरा था।

इस 'डिजिटल स्ट्राइक' को पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान पर बढ़ते दबाव और भारत के सख्त रुख के तौर पर देखा जा रहा है। सरकार द्वारा बैन किए गए यूट्यूब चैनलों के नाम निम्नलिखित हैं, ये वे चैनल हैं जो लगातार भारत विरोधी दुष्प्रचार में शामिल थे।

यह पहली बार नहीं है जब भारत सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगाया है। पहले भी इस तरह के चैनलों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। इस कदम से पाकिस्तान में बैठे उन तत्वों को बड़ा झटका लगा है जो डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नफरत फैलाने और गलत सूचनाएं प्रसारित करने के लिए कर रहे थे।

राष्ट्रपति मुर्मू ने प्रदान किए पद्म पुरस्कार 2025, क्रिकेटर आर अश्विन को पद्मश्री, हॉकी खिलाड़ी श्रीजेश को मिला पद्म भूषण

नई दिल्ली । आरएनएस

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में 2025 के लिए पद्म अवॉर्ड्स दिए। साल की पहली पद्म सेरेमनी में 71 हस्तियों को पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान माने जाते हैं, जो कला, सामाजिक कार्य, विज्ञान, चिकित्सा, सार्वजनिक मामले, व्यापार और उद्योग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किए जाते हैं। पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिए जाते हैं – पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण।

– कला के क्षेत्र में साउथ फिल्मों के एक्टर अजीत, डायरेक्टर शेखर कपूर को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। वहीं गजल गायक पंकज उधास को मरणोपरांत पद्म भूषण सम्मान दिया गया। अवॉर्ड उनकी पत्नी फरीदा ने लिया। सिंगर जसपिंदर नरूला को कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

– क्रिकेटर आर अश्विन को पद्मश्री, हॉकी खिलाड़ी श्रीजेश को पद्म भूषण दिया गया। वहीं कुवैत की योग टीचर शेखा अली को भी चिकित्सा क्षेत्र में पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

– पैरा एथलेटिक्स कोच डॉ. सत्यपाल सिंह को खेल के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी से पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

– 96 साल की कठपुतली आर्टिस्ट भीमाव्वा डोड्डाबलप्पा शिलेक्याथारा को कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

– वैदिक स्कॉलर गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म श्री से सम्मानित किया। इन्होंने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के भूमि पूजन और प्राण प्रतिष्ठा का शुभ समय तय किया था।

– योग शिक्षा में अग्रणी, कुवैत की शेखा शेखा अली अल-जबर अल-सबा को चिकित्सा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्म श्री पुरस्कार मिला।

पद्म विभूषण – एम. टी. वासुदेवन नायर (मरणोपरांत)

इस कड़ी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रसिद्ध मलयालम लेखक एम. टी. वासुदेवन नायर को फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक, संपादक और वक्ता, को मलयालम भाषा, साहित्य और सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। बता दें कि, एमटी वासुदेवन नायर अमर उजाला शब्द सम्मान के सर्वोच्च अलंकरण 'आकाशदीप' से भी सम्मानित थे।

पद्म विभूषण – डॉ. दुव्वुर नागेश्वर रेड्डी

तेलंगाना के प्रख्यात गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. दुव्वुर नागेश्वर रेड्डी को एंडोस्कोपी में उनकी अभूतपूर्व नैदानिक प्रगति और अग्रणी चिकित्सा अनुसंधान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

डॉ. लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम को पद्म विभूषण

इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कला और संगीत के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ. लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम को पद्म विभूषण से सम्मानित किया है। बता दें कि, डॉ.सुब्रमण्यम विख्यात वायलिन वादक हैं। वे कर्नाटक और पश्चिमी संगीत में पारंगत हैं इसके साथ ही वे संगीत के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट शैली के लिए जाने जाते हैं।

पद्म विभूषण – ओसामु सुजुकी (मरणोपरांत)

वहीं जापान के दिवंगत उद्योगपति ओसामु सुजुकी, जो सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के पूर्व प्रमुख थे, को भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, पद्म विभूषण से मरणोपरांत (व्यापार और उद्योग में) सम्मानित किया गया है। बता दें कि, ओसामु सुजुकी को भारत को अपने दूसरे घर के रूप में मानते थे। उनके बेटे और सुजुकी मोटर के सीईओ तोशीहिरो सुजुकी ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से यह पुरस्कार प्राप्त किया।

पद्म भूषण – विनोद कुमार धाम

विनोद कुमार धाम, अमेरिका में रहने वाले एक व्यवसायी और प्रौद्योगिकीविद् हैं, जिन्हें विज्ञान और इंजीनियरिंग में उनके योगदान के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है। भारतीय-अमेरिकी इंजीनियर विनोद धाम, जिन्हें 'पेंटियम चिप के जनक' के रूप में भी जाना जाता है।

नंदमुरी बालकृष्ण को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया

आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध तेलुगु अभिनेता और राजनीतिज्ञ नंदमुरी बालकृष्ण को उनके भारतीय सिनेमा और सार्वजनिक जीवन में योगदान के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। नंदमुरी बालकृष्ण ने अपने पांच दशकों के करियर में भारतीय सिनेमा और राजनीति में अमिट छाप छोड़ी है।